श्रीमती श्यामादेवी

डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

(डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध)

सिसवाँ, रामपुर सकरवारी – अम्बेडकर नगर

(बी0 एड0)

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

सत्र : 201.....–201.....

छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका का नाम........ रूची-

शैक्षिक योग्यता........ बी० एड०- द्वितीय वर्ष-

महाविद्यालय अनुक्रमांक........ 33

विश्व विद्यालय अनुक्रमांक........ 21574841

शिक्षण विषय........ हिन्दी-

INDEX

पाठ रूल संख्या	विषय	पाठ का प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1-	हिन्दी-	'मेरी माँ' —	1—7
2-	"	'समर्पण' —	7—12
3-	"	'क्रिया' —	12—16
4-	"	'विशेषण' —	17—22
5-	"	'समास' (बहुव्रीहि)-	22—30
6-	"	'यमक अलंकार' —	31—40
7-	"	'बाल लीला' (सूरदास)-	40—50

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक........ 13/11/2021

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना - 1

विषय - हिन्दी -
कक्षा - 6 th
विद्यालय - डा० अशोक कुमार स्मारक इण्टर कालेज -

दिनांक -
कालांश -
समयावधि -

प्रकरण - "मेरी माँ"

सामांय उद्देश्य -		
सामान्य उद्देश्य -	1-	छात्रों में मातृभाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना
	2-	छात्रों को पाठ में आये हुये कठिन शब्दों के उच्चारण में अभ्यास कराना।
	3-	छात्रों के पाठ के शब्द भण्डार, सूक्ति - मुहावरों व लोकोक्तियों में वृद्धि कराना।
	4-	छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।
	5-	छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
	6-	छात्रों को उचित आरोह, अवरोह, लय गति एवं विराम आदि के प्रयोग के साथ वाचन में अभ्यस्त कराना।

विशिष्ट उद्देश्य -	शिक्षण उद्देश्य -	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन -

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....   Page No. ....

बिशिष्ट- उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यबहार परिबर्तन -
1- ज्ञानात्मक- उद्देश्य -	1- छात्रों को 'मेरी माँ' पाठ का ज्ञान कराना।	1- छात्र 'मेरी माँ' पाठ का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को पाठ की भाषा के तत्वों का ज्ञान कराना।	2- छात्र पाठ की भाषा के तत्वों को जान सकेंगे।
	3- छात्रों के शुद्ध उच्चारण के साथ हाव-भाव सहित वाचन करने योग्य बनाना।	3- छात्र शुद्ध उच्चारण के साथ हाव-भाव सहित वाचन कर सकेंगे।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों में 'मेरी माँ' पाठ को परिभाषित करने की योग्यता का बिकास करना।	1- छात्र 'मेरी माँ' पाठ को परिभाषित कर सकेंगे।
	2- छात्रों को 'मेरी माँ' पाठ के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	2- छात्र 'मेरी माँ' पाठ के महत्व की व्याख्या कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों में चित्र के माध्यम से प्रदर्शन करने की योग्यता का बिकास करना।	1- छात्र चित्र के माध्यम से प्रदर्शित पाठ को समझ सकेंगे।
	2- छात्रों को शुद्ध, स्पष्ट, आरोह अवरोह पूर्वक यति, गति एवं बिराम चिन्हों का उचित प्रयोग करते हुये वाचन कौशल का बिकास करना।	2- छात्र शुद्ध, स्पष्ट, आरोह-अवरोह पूर्वक यति, गति एवं बिराम चिन्हों का उचित प्रयोग करते हुये वाचन करने का कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में 'मेरी माँ' के बिषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र 'मेरी माँ' के बिषय में रुचि ले सकेंगे।
	2- छात्रों में गद्य पाठ के अर्थ एवं व्याख्या में रुचि जाग्रत-	2- छात्र गद्य पाठ के अर्थ एवं व्याख्या में रुचि ले सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....   Page No. ....

विशिष्ट उद्देश्य -	शिक्षण उद्देश्य -	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन -
६- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों में पाठ में निहित सद्वृत्तियों को विकसित करना।	1- छात्र पाठ में निहित सद्वृत्तियों को अपने जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

सहायक सामग्री —

पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेटश्यामपट्ट प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ चित्र आदि।

पूर्व-ज्ञान —

छात्र-पूर्व कक्षाओं में माँ से सम्बंधित विचारों को पढ़ चुके हैं तथा यह एक वास्तविक विचार है इसलिये वे इससे सम्बंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न -	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -
	प्र०-1 आपके घर में कौन-2 है?	उ०-1 मेरे घर में माता-पिता, भाई-बहिन हैं।
	प्र०-2 आपके घर में कौन पैसा कमाने जाता है?	उ०-2 पिता जी।
	प्र०-3 आपकी देखभाल कौन करता है?	उ०-3 मेरी माँ।
	प्र०-4 'मेरी माँ' से आप क्या समझते हैं?	उ०-4 समस्यात्मक।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....
Expt. No. .... Page No. ....

उद्देश्य कथन –

आज हम 'मेरी माँ' नामक गद्य पाठ का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
आदर्श वाचन-	छात्राध्यापक पूर्ण आरोह-अवरोह पूर्वक विराम चिन्हो का पालन करते हुए आदर्श-वाचन करेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	ग्यारह वर्ष की उम्र में माता जी विवाह कर शाहजहाँपुर आयी थी। उस समय आप नितान्त अशिक्षित एवं ग्रामीण कन्या के सदृश थीं।
अनुकरण-वाचन-	छात्राध्यापक छात्रों को वाचन करने का आदेश देगा।	छात्र उचित आरोह अवरोह लय गति के साथ वाचन करेंगे।	शाहजहाँपुर आने के थोड़े दिनों बाद ही दादाजी ने अपनी छोटी बहिन को बुला लिया। उन्हीं ने गृह कार्य में माता जी को शिक्षा दी थोड़े ही दिनों में माता जी ने सब गृहकार्य को समझ लिया और भोजनादि का ठीक-ठीक प्रबंध करने लगी। मेरे जन्म के पाँच या सात वर्ष बाद आपने हिन्दी पढ़ना आरम्भ किया। पढ़ने का शौक आपको खुद ही पैदा हुआ था। मोहल्ले की सखी सहेली जो घर पर आजाती

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....   Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
			थीं, उन्हीं में जो कोई-
			शिक्षित थी, माताजी-
			उनसे अक्षर बोध करातीं
			इसी प्रकार घर का सब
			काम कर चुकने के बाद
			जो कुछ समय मिल-
			जाता उसमें पढ़ना लिख-
			ना करतीं। परिश्रम के-
			फल से थोड़े दिन में ही-
			वे देवनागरी पुस्तकों का-
			अवलोकन करने लगीं।
कठिन शब्द-	छात्राध्यापक गद्य पाठ में आये	छात्र कठिन शब्दों-	**कठिन शब्द उच्चारण**
उच्चारण-	कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर	का उच्चारण करेंगे।	नितान्त- सदृश-
	लिखकर उच्चारण करायेगा-		अशिक्षित- प्रबंध-
	नितान्त- सदृश-		
	अशिक्षित- प्रबंध-		
कठिन शब्द-	छात्राध्यापक गद्य प्रकरण में-	छात्र कठिन शब्दों के-	**शब्द- अर्थ-**
निवारण-	आये हुये शब्दों का निवारण-	अर्थ को अपनी उत्तर-	नितान्त- एकदम-
	श्यामपट्ट पर करेगा। –	पुस्तिका में लिखेंगे।	अशिक्षित- अनपढ़-
	शब्द- अर्थ- युक्ति-	**युक्ति प्रयोग-**	सदृश- समान-
	नितान्त- एकदम- वाक्यप्रयोग	मैंने कल नितांत-	प्रबंध- व्यवस्था-
		वृद्ध महिला को देखा-	अक्षरबोध- वर्णज्ञान
	अशिक्षित- अनपढ़- विलोम-	शिक्षित।	अवलोकन- देखना-
	सदृश- समान- वाक्यप्रयोग	शिक्षक हमारे माता-	
		पिता के सदृश होते हैं।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु -	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -	श्यामपट्ट कार्य -
	शब्द - अर्थ - युक्ति -	**युक्ति प्रयोग -**	
	प्रबन्ध - व्यवस्था - उपसर्ग -	प्र + बन्ध । प्र उपसर्ग हैं।	
	अक्षरबोध - वर्ण ज्ञान - वाक्यप्रयोग -	अक्षर बोध नर्सरी में कराया जाता हैं।	
	अवलोकन - देखना - उपसर्ग -	अव - उपसर्ग हैं + लोकन	
प्रवचन -	प्रस्तुत गद्यांश अमरशहीद रामप्रसाद बिस्मिल ने अपनी माँ के प्रति श्रद्धा भक्ति व्यक्त करने के लिए लिखा हैं। वे कहते हैं कि ग्यारह वर्ष की उम्र में उनकी माँ का विवाह शाहजहाँपुर में हुआ था। वह उस समय एक अशिक्षित ग्रामीण महिला के समान थीं। वहीं दादी ने अपनी बहन को बुलाकर माता जी को सब कार्य सिखाये तथा मेरे जन्म के 5-7 साल बाद माँ ने पढ़ाई आरम्भ की। उनकी आस-पास की सहेलियाँ उन्हें अक्षर ज्ञान कराती थीं। थोड़े ही दिन बाद वह देवनागरी पुस्तकों को पढ़ने लगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
मौन वाचन-	छात्राध्यापक छात्रों को मौन वाचन करने का आदेश देगा तथा उनका निरीक्षण करेगा।	छात्र मौन वाचन करेंगे।	
विचार-विश्लेषणात्मक प्रश्न-	प्र०-1 किस उम्र में उनकी माता का विवाह हुआ?	उ०-1 ग्यारह वर्ष की उम्र में उनकी माता का विवाह हुआ।	
	प्र०-2 उसकी माँ का विवाह कहाँ हुआ था?	उ०-2 उनकी माँ का विवाह शाहजहाँपुर में हुआ था।	
	प्र०-3 दादी ने किसे घर पर बुलाया था?	उ०-3 दादी ने अपनी बहन को घर पर बुलाया था।	
	प्र०-4 लेखक के जन्म के कितने साल बाद उनकी माँ ने हिन्दी पढ़ना प्रारम्भ किया?	उ०-4 लेखक के जन्म के 5 साल बाद माँ ने हिन्दी पढ़ना प्रारम्भ किया।	
	प्र०-5 थोड़े समय बाद वह किन पुस्तकों का अवलोकन करने लगीं?	उ०-5 देवनागरी पुस्तकों का अवलोकन करने लगी।	
मूल्यांकन-प्रश्न-	1- लेखक की माता का विवाह 10 वर्ष में हुआ। ( )	असत्य-	सत्य व असत्य को (✓) करें। 1- लेखक की माता का विवाह 10 वर्ष में हुआ। ( )
	2- दादी ने अपनी माँ को बुलाया। ( )	असत्य-	2- दादी ने अपनी माँ को-
	3- विवाह के समय वह शिक्षित थीं। ( )	असत्य-	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
			बुलाया। ( )
	प्र०4 माता जी उन्हे अक्षर ज्ञान-कराती। ( )	सत्य	3- विवाह के समय-वह शिक्षित थीं। ( )
	प्र०5 वे देवनागरी पुस्तकों का-अवलोकन करने लगी ( )	सत्य	4- माता जी उन्हे अक्षर ज्ञान कराती। ( )
गृहकार्य-	पाठ की व्याख्या अपने शब्दों में लिखकर लायेंगे।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं में-लिखेंगे।	5- वे देवनागरी पुस्त-कों का अवलोकन-करने लगीं। ( )

13/11/2021

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

पाठयोजना - 2

विषय- हिन्दी - दिनांक -
कक्षा- 7क- कालांश -
विद्यालय - डा० अशोक कुमार स्मारक इण्टर कालेज - समयावधि -

प्रकरण - "समर्पण"

सामांय उद्देश्य -

1- छात्रों में मातृभाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना।
2- छात्रों को पाठ में आये हुए कठिन शब्दों के उच्चारण में अभ्यास कराना।
3- छात्रों के पाठ के शब्द भण्डार, सूक्ति, मुहावरों व लोकोक्तियों में वृद्धि करना।
4- छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।
5- छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
6- छात्रों को उचित आरोह, अवरोह, लय, गति एवं विराम आदि के प्रयोग के साथ वाचन में अभ्यस्त कराना।

विशिष्ट उद्देश्य -	शिक्षण उद्देश्य -	अपेक्षित व्यवहारपरिवर्तन -
1- ज्ञानात्मक उद्देश्य -	1- काव्य में निहित संधि, समास -	1- छात्र कविता में निहित संधि -

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

विशिष्ट उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
	1- अलंकार, उपसर्ग, रस आदि का ज्ञान कराना।	1- समास, अलंकार, उपसर्ग, रस आदि का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
	2- कविता के केन्द्रीय भाव एवं विचार का ज्ञान प्रदान करना।	2- छात्र कविता में निहित केन्द्रीय भाव एवं विचार को ग्रहण कर सकेंगे।
2 अवबोधात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को पढ़कर व सुनकर कविता में निहित भागों का ज्ञान प्रदान करना।	1- छात्र कविता को पढ़कर व सुनकर कविता में निहित भागों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता में निहित नवीन शब्द व युक्तियों के अर्थ से परिचित कराना।	2- छात्र कविता में प्रयुक्त विभिन्न शब्दों व युक्तियों का अर्थ समझ सकेंगे।
3 कौशलात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को शुद्ध स्पष्ट, आरोह अवरोह, गति, विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुये वाचन करने योग्य बनाना।	1- छात्र शुद्ध, स्पष्ट आरोह-अवरोह पूर्वक यति-गति विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुये वाचन करने का कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता की अपनी शब्दों में व्याख्या करने योग्य बनाना।	2- छात्र कविता की अपने शब्दों में व्याख्या कर सकेंगे।
4 अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में कविता के भावार्थ को हृदयंगम करने की रुचि का विकास करना।	1- छात्र कविता के भावार्थ को हृदयंगम कर अपनी रुचि का विकास कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता में निहित प्रगतिशील ज्ञान से आत्मनिर्भरता विकसित करना।	2- छात्र कविता के अनुरूप अपनी रुचियों व सद्वृत्तियों की अभिवृत्ति कर सकेंगे।
5 अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में सद्वृत्तियों का विकास करना।	1- छात्र सद्वृत्तियों का उपयोग अपने जीवन में कर सकेंगे।

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

सहायक सामग्री — पाठ्य पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेटश्यामपट्ट आदि।

पूर्वज्ञान — छात्र पूर्व कक्षाओं में समर्पण से सम्बंधित कविताएँ पढ़ चुके हैं तथा सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न -	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -
	प्र०1 हमारे देश का क्या नाम है?	उ०-1 हमारे देश का नाम भारत है।
	प्र०2 हमारा देश कब आजाद हुआ?	उ०-2 हमारा देश 1947 में आजाद हुआ।
	प्र०-3 किसने हमारे देश को आजादी दिलाई?	उ०-3 हमारा देश 1947 में आजाद हुआ।
	प्र०-4 इन सभी में कौन सा गुण मुख्य है?	उ०-4 समर्पण का गुण।
	प्र०-5 समर्पण से आपका क्या अभिप्राय है?	उ०-5 समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन — आज हम हिंदी पद्य विषय के अन्तर्गत समर्पण का रसास्वादन करेंगे।

शिक्षण-बिन्दु -	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -	श्यामपट्ट कार्य -
आदर्श-वाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह पूर्वक यति, गति युक्ति भावपूर्ण वाचन करेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	मन समर्पित, तन समर्पित, और यह जीवन समर्पित, चाहता हूँ देश की धरती-

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
अनुकरण-वाचन-	छात्राध्यापक छात्रों को वाचन करने का आदेश देगा तथा उनकी वाचन सम्बंधी त्रुटियों का अवलोकन करेगा।	छात्र पूर्ण आरोह अवरोह पूर्वक वाचन करेंगे।	तुझे कुछ और भी दूँ। माँ तुम्हारा ऋण बहुत है मैं अकिंचन – किन्तु इतना कर रहा – फिर भी निवेदन – थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब भी, कर – दया स्वीकार लेना यह – समर्पण। गान अर्पित, प्राण अर्पित रक्त का कण-2 समर्पित चाहता हूँ देश की धरती तुझे कुछ और भी दूँ।
काठिन्य-उच्चारण-	छात्राध्यापक छात्रों द्वारा-उच्चारित शब्दों को शुद्ध उच्चारण करायेगा। तथा उन्हें श्यामपट्ट पर लिखेगा।	छात्र कठिन शब्दों का उच्चारण करेंगे।	**कठिन शब्द उच्चारण-** समर्पित- ऋण- अकिंचन- अर्पित-
काठिन्य-निवारण-	छात्राध्यापक कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर उनके अर्थ छात्रों को बतायेगा। **शब्द- अर्थ-** समर्पित- भेंट किया हुआ-	छात्र कठिन शब्दों के अर्थ को अपनी उत्तर पुस्तिका में-लिखेंगे।	**काठिन्य निवारण-** शब्द- अर्थ- समर्पित- भेंट किया हुआ- ऋण- कर्ज- अकिंचन- निर्धन- निवेदन- प्रार्थना-

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	शब्द- **अर्थ-** ऋण - कर्ज- अकिंचन - निर्धन- निवेदन - प्रार्थना-		
प्रवचन -	प्रस्तुत पद्यांश कवि रामावतार त्यागी जी द्वारा रचित हैं। इन पंक्तियों में उन्होंने अपने समर्पण की बात कही है। वह अपनी जन्मभूमि से प्रार्थना करते हुए कहते है कि मेरा यह मन और तन दोनों ही आपके ऊपर न्यौछावर हैं और मैं आपको क्या दूं। वे कहते है कि-हे मातृभूमि मेरे ऊपर आपका यह कर्ज है मैं इसे कैसे उतारु। पर यह निवेदन करता हूँ मैं जब थाली में भाल सजाकर लाऊं मेरे समर्पण को स्वीकार कर लेना मेरा रक्त और उसका हर-कण आप पर न्यौछावर हैं।		
पुनः सस्वर-वाचन -	छात्राध्यापक पूर्ण आरोह-अवरोह, यति, गति या स्वर लय पूर्ण वाचन करेगा।	छात्र कविता का रसास्वादन करेंगे।	

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
भावबोधात्मक प्रश्न-	प्र०-1 कविता में कवि क्या समर्पित कर रहा हैं ?	उ०- कवि अपना तन और मन समर्पित कर रहा हैं।	
	प्र०-2 कवि अपना सब कुछ किसको समर्पित कर रहे हैं ?	उ०- कवि अपना सब कुछ देश को समर्पित कर रहे हैं।	
	प्र०-3 थाल में क्या सजाकर कवि लाये हैं ?	उ०- थाल में भाल सजाकर कवि लाये हैं।	
	प्र०-4 कवि भाल क्यों सजा कर लाना चाहता हैं ?	उ०- अपने आपको समर्पित करने के लिये।	
सौन्दर्यानुभूति प्रश्न-	1- प्रस्तुत कविता में कौन सा रस हैं ?	उ०-1 प्रस्तुत कविता में वीर रस हैं।	
	2- कविता में क्या भाव निहित हैं ?	2- कविता में देशप्रेम का भाव निहित हैं।	
	3- कवि किसके प्रति अपने भावों को प्रकट कर रहा हैं ?	3- कवि अपने देश के प्रति अपने भावों को प्रकट कर रहा हैं।	
आत्मसातीकरण -	1- प्रस्तुत कविता में क्या समानता हैं ?	1- दोनों कविताएँ वीर रस से परिपूर्ण हैं।	"मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक। मातृभूमि पे शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक।
	2- प्रस्तुत कविताओं का क्या भाव निहित हैं ?	2- दोनों में ही राष्ट्रप्रेम का भाव ओत-प्रोत हैं।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्टकार्य-
अन्तिम-आदर्श-वाचन-	छात्राध्यापक पूर्ण लय, यति, गति आरोह, अवरोह के साथ वाचन करेगा।	छात्र कविता का रसास्वादन करेंगे।	
गृहकार्य-	छात्र कविता को कण्ठस्थ करके आयेंगे।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	

Arund
13/11/2021

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. ....

Date ....

Page No. ....

पाठयोजना - 3

विषय - हिन्दी -
कक्षा - 8 क -
विद्यालय - डा० अशोक कुमार स्मारक इण्टर कालेज -

दिनांक -
कालांश -
समयावधि -

प्रकरण - क्रिया

सामान्य उद्देश्य -	
	1- छात्रों को शुद्ध भाषा बोलने व लिखने की प्रेरणा प्रदान करना।
	2- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।
	3- छात्रों को शुद्ध वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
	4- छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।
	5- छात्रों में भाषा विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।
	6- छात्रों में शुद्ध व अशुद्ध रूप के बीच भिन्नता जानने की योग्यता का विकास करना।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. ....

विशिष्ट उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1- ज्ञानात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना। 2- छात्रों को क्रिया का ज्ञान कराना	1- छात्र सैद्धान्तिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2- छात्र क्रिया के बारे में जान सकेंगे।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में क्रिया को परिभाषित करने की योग्यता का विकास करना। 2- छात्रों को क्रिया के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	1- छात्र क्रिया को परिभाषित कर सकेंगे। 2- छात्र क्रिया के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों को चित्र के माध्यम से क्रिया को प्रदर्शित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र क्रिया को जानने में सकारात्मक धारणा उत्पन्न कर सकेंगे तथा चित्र के माध्यम से प्रदर्शित क्रिया को आत्मसात कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में क्रिया के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र अलंकारों को जानने में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में भाषा के प्रति जीवन उपयोगी सामान्य ज्ञान प्रदान करना।	1- छात्र भाषा का अपने सामान्य जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. ....

सहायक सामग्री – पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट – प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ चार्ट।

पूर्वज्ञान – छात्र क्रिया के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	प्र०-1 शब्द किसे कहते हैं?	उ०- वर्णों व मात्राओं के योग से बनने वाला 'शब्द' कहलाता है।
	प्र०-2 वाक्य किससे बनता हैं?	उ०- शब्दों के योग से बनने वाली संरचना को 'वाक्य' कहते हैं।
	प्र०-3 अवतरण किससे बनता हैं?	उ०- अवतरण क्रिया, कर्त्ता व कर्म के संयोग से बनता हैं।
	प्र०-4 क्रिया किसे कहते हैं?	उ०- समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन – आज हम क्रिया की विशेषता व उसकी परिभाषा का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
क्रिया: उदाहरण-	छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न करेंगे?		उदाहरण-

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण बिन्दु -	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -	श्यामपट्ट कार्य -
1- वायुयान उड़ रहा है।	1- वायुयान क्या कर रहा है?	उ०-1 वायुयान उड़ रहा है।	1- वायुयान उड़ रहा है।
2- किसान हल चला रहा है।	2- किसान क्या चला रहा है?	2- किसान हल चला रहा है।	2- किसान हल चला रहा है।
3- लड़का पुस्तक पढ़ता है।	3- लड़का क्या पढ़ता है?	उ- लड़का पुस्तक पढ़ता है।	3- लड़का पुस्तक पढ़ता है।
स्पष्टीकरण-	ऊपर के तीनों वाक्यों में उड़ रहा है, चला रहा है, और पढ़ता है। शब्दों के द्वारा वाक्य पूरे होते हैं। इनके बिना वाक्य अधूरे हैं। ऐसे शब्द क्रिया "क्रिया" कहलाते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।	
परिभाषा-	जिस शब्द अथवा शब्द-समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो, वह 'क्रिया' कहलाती है।	छात्र निर्देशानुसार परिभाषा अपनी लेख पुस्तिका में लिखेंगे।	"जिस शब्द अथवा शब्द समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो, वह 'क्रिया' कहलाती है।"
उदाहरण-			**उदाहरण-**
1- गीता नाच रही है।	1- इस वाक्य में गीता क्या कर रही है।	1- इस वाक्य में गीता नाच रही है।	1- गीता नाच रही है।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
उदाहरण-			उदाहरण-
1- बच्चा दूध पी-रहा है।	1- बच्चा क्या कर रहा है?	1- बच्चा दूध पी रहा है।	1- बच्चा दूध पी-रहा है।
2- राकेश कॉलेज-जा रहा है।	2- राकेश क्या कर रहा-है।?	2- राकेश कॉलेज-जा रहा है।	2- राकेश कॉलेज जा रहा है।
3- गौरव बुद्धिमान है।	3- गौरव कैसा है?	3- गौरव बुद्धिमान-है।	3- गौरव बुद्धिमान-है।
4- शिवा जी बहुत-वीर है।	4- शिवा जी कैसे है?	4- शिवा जी बहुत वीर है।	4- शिवाजी बहुत-वीर है।
स्पष्टीकरण-	इसमें नाच रही है, पी रहा-है, जा रहा है शब्द कार्य-व्यापार का बोध करा रहे-हैं जबकि है, ये शब्द होने का, इन सभी से किसी कार्य के करने अथवा होने का-बोध हो रहा है अतः ये-क्रियाएँ हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक-सुनेंगे तथा अपनी-उत्तर-पुस्तिका में-लिखेंगे।	
अभ्यासकार्य-	क- राधा गाना गा रही है में क्रिया बताएँ।	– गा रही है।	प्रस्तुत वाक्यों में-क्रिया को रेखांकित-करें –
	ख- राम शर्बत पी रहा है।	– पी रहा है।	1- राधा गाना गा रही है।
	ग- गाड़ी चल रही है।	– चल रही है।	2- राम शर्बत पी रहा है।
	घ- राकेश कार चला रहा-है।	– कार चला रहा है।	3- गाड़ी चल रही है।

Degree College of Science & Management

Expt. No. ....

Date ....

Page No. ....

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	इ- बिल्ली दूध पी रही- है।	– दूध पी रही है।	इ- बिल्ली दूध पी- रही है।
	च- रेलगाड़ी चल रही है।	– चल रही है।	६- रेलगाड़ी चल- रही है।
गृहकार्य-	क्रियायुक्त 10 वाक्य लिख- कर लाएँ।	छात्र अपनी उत्तर- पुस्तिका में लिखेंगे।	

Sand. 13/11/2021

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

पाठयोजना - 4

विषय - हिन्दी -
कक्षा - 6 क -
विद्यालय - डा॰ अशोक कुमार स्मारक इण्टर कालेज -

दिनांक -
कालांश -
समयावधि -

प्रकरण - विशेषण

सामांय उद्देश्य -		
	1-	छात्रों में शुद्ध भाषा बोलने व लिखने की प्रेरणा प्रदान करना।
	2-	छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।
	3-	छात्रों को शुद्ध वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
	4-	छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।
	5-	छात्रों में भाषा विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।
	6-	छात्रों में शुद्ध व अशुद्ध रूप की बीच भिन्नता जानने की योग्यता का विकास करना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

विशिष्ट उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1- ज्ञानात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना।	1- छात्र सैद्धान्तिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को विशेषण का ज्ञान कराना।	2- छात्र विशेषण के बारे में जान सकेंगे।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में विशेषण को परिभाषित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र विशेषण को परिभाषित कर सकेंगे।
	2- छात्रों को विशेषण के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	2- छात्र विशेषण के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को चित्र के माध्यम से विशेषण को प्रदर्शित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र विशेषण को जानने में सकारात्मक धारणा उत्पन्न कर सकेंगे। तथा चित्र के माध्यम से प्रदर्शित विशेषण को आत्मसात कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में विशेषण के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र विशेषण को जानने में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में भाषा के प्रति जीवन उपयोगी सामान्य ज्ञान-	1- छात्र भाषा का अपने सामान्य जीवन में उपयोग कर सकेगा।

सहायक सामग्री-

पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट, प्रकरण-

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

को स्पष्ट करता हुआ।

पूर्वज्ञान– छात्र 'कारकों' के सम्बंध में प्रारम्भिक जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रियाएँ-	छात्र क्रियाएँ-	शिक्षण सहायक सामग्री-
	प्र०-1 उपर्युक्त वाक्य में संज्ञा पद कौन-सा है?	राम-	श्यामपट्ट पर-
	प्र०-2 राम कैसा लड़का है?	सुन्दर -	"राम सुन्दर - लड़का है।"
	प्र०-3 राम विशेष्य है तथा इसकी विशेषता क्या है?	सुन्दर होना। -	
	प्र०-4 सुन्दर व्याकरण की दृष्टि से क्या कहा जाएगा?	विशेषण -	
	प्र०-5 विशेषण के विषय में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक।	

उद्देश्य कथन–

आज हम सब विशेष्य की विशेषता बतलाने वाले "विशेषण" के विषय में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
विशेषण-	छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न करेंगे।	छात्र उत्तर देने का प्रयास करेंगे।	
क- मोहन की कमीज लाल है।	क- प्रथम वाक्य में विशेष्य पद कौन सा है? ख- कमीज का रंग कैसा है? ग- कमीज का रंग जो लाल है वह क्या है?	संज्ञा 'मोहन' पद लाल- विशेषता-	'मोहन की कमीज लाल है।' 'राम ने मीठा आम खाया।'
ख- राम ने मीठा आम खाया।	घ- दूसरे वाक्य में आम क्या है? ङ- इसकी विशेषता क्या है? च- अतः मीठा क्या है?	विशेष्य मीठा होना- विशेषण-	
स्पष्टीकरण-	उपर्युक्त उदाहरण में कमीज तथा आम पद विशेष्य हैं जिनकी विशेषता लाल तथा मीठा होना है। अतः यह विशेष्य की विशेषता सूचक है जिन्हें व्याकरण में विशेषण के रूप में जाना जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं में लिखेंगे।	
परिभाषा-	संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को व्याकरण में विशेषण के नाम से अभिहित किया जाता है।	छात्र निर्देशानुसार परिभाषा को अपनी लेख-पुस्तिका में लिखेंगे।	"संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को व्याकरण में विशेषण के नाम से अभिहित किया जाता है।"

शिक्षण बिन्दु -	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -	श्यामपट्ट कार्य -
उदाहरण - घोड़ा लाल है।	क- इस वाक्य में घोड़ा - क्या है ?	संज्ञा -	"घोड़ा लाल है।"
	ख- इसकी विशेषता क्या है?	इसका लाल रंग का होना -	
	ग- लाल शब्द क्या है ?	विशेषण -	
स्पष्टीकरण -	अतः हम जान चुके हैं कि - वे शब्द या पद जो संज्ञा तथा सर्वनाम के गुणों अथवा - विशेषताओं को प्रदर्शित करते हैं, वे शब्द विशेषण के नाम से जाने जाते हैं।	छात्र मनोयोगपूर्वक समझेंगे।	
अभ्यास कार्य -	क- किताब बहुत सुन्दर है।		क- किताब बहुत सुंदर है।
	ख- अजय अच्छा लड़का - है।		ख- अजय अच्छा ल- ड़का है।
	ग- चिड़िया के पंख लाल - है।		ग- चिड़िया के पंख लाल है।
	घ- राम मीठा आम खा रहा है।		घ- राम मीठा आम खा रहा है।
	(i) प्रथम वाक्य में संज्ञा है।	किताब -	
	(ii) किताब कैसी है।	सुन्दर -	
	(iii) सुन्दरता किताब की क्या है ?	विशेषता -	
	(iv) जो संज्ञा की विशेषता बताते हैं वे क्या कहलाते हैं ?	विशेषण -	
गृहकार्य -	विशेषण युक्त 10 वाक्य लिखकर	छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	

Teacher's Signature : Anand 13/11/2021

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

पाठ्योजना-ऽ

विषय- हिन्दी - दिनांक-
कक्षा- 7th - कालांश-
विद्यालय- डा० अशोक कुमार स्मारक इण्टर कालेज - समयावधि-

प्रकरण- समास (बहुव्रीहि)

सामांय उद्देश्य -	
	1- छात्रों को शुद्ध भाषा बोलने व लिखने की प्रेरणा प्रदान करना।
	2- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।
	3- छात्रों को शुद्ध वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
	4- छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।
	5- छात्रों में भाषा विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।
	6- छात्रों में शुद्ध व अशुद्ध रूप के बीच भिन्नता जानने की योग्यता का विकास करना।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

विशिष्ट उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1- ज्ञानात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना।	1- छात्र सैद्धान्तिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को समास का ज्ञान प्रदान करना।	2- छात्र समास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों में समास को परिभाषित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र समास को परिभाषित कर सकेंगे।
	2- छात्रों को समास के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	2- छात्र समास के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक उद्देश्य	1- छात्रों को चार्ट के माध्यम से समास को प्रदर्शित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र समास को जानने में सकारात्मक धारणा उत्पन्न कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों में समास के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र समास में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों में भाषा के प्रति जीवन उपयोगी सामान्य जानकारी प्रदान करना।	1- छात्र भाषा का अपने सामान्य जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

सहायक सामग्री-

पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट, प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ चार्ट।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAM DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

पूर्वज्ञान- छात्र समास के विषय में सामांय जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	प्र०1 वर्णों के मेल को क्या कहते हैं	उ०-1 वर्णों के मेल को "शब्द" कहते हैं।
	प्र०-2 शब्दों के मेल को क्या कहते-हैं ?	उ०-2 शब्दों के मेल को "वाक्य"-कहते हैं।
	प्र०-3 'रसोई के लिए घर' को और-क्या कहेंगे ?	उ०-3 रसोई घर।
	प्र०-4 इस संक्षिप्तीकरण को क्या-कहते हैं ?	उ०- समास।
	प्र०-5 बहुव्रीहि समास क्या है ?	उ०- समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन-

आज हम सब बहुव्रीहि समास की परिभाषा तथा अर्थ का-विस्तृत रुप से अध्ययन करेंगे।

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
बहुव्रीहि समास उदाहरण-	छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न करेंगे-	छात्र प्रश्नों के उत्तर-देंगे।	उदाहरण- 1- नीलकण्ठ- 2- चन्द्रमौलि- 3- दशानन-
1- नीलकण्ठ-	प्र०- नीला है कंठ जिसका-अर्थात- ?	नीलकण्ठ (शिव)	
2- चन्द्रमौलि-	प्र०- चंद है सिर पर जिसके-	शंकर-	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	अर्थात ?		
3- दशानन-	प्र०- दस है आनन अर्थात ?	रावण-	
4- श्वेताम्बर-	प्र०- श्वेत है जिसके अंबर ?	सरस्वती-	4- श्वेताम्बर-
स्पष्टीकरण-	जैसाकि स्पष्ट है सभी शब्दों में दोनों पद अप्रधान हैं तथा कोई सांकेतिक पद प्रधान है। उदाहरण में नीलकण्ठ में नीला है कण्ठ जिसका की प्रधानता नहीं है तथा तृतीय अर्थात अन्य पद शिव प्रधान है। इसी प्रकार चन्द्रमौलि में चन्द्र है जिसके सिर पर में शंकर की प्रधानता है, दशानन में दश हैं आनन में तृतीय पद रावण प्रधान है तथा श्वेताम्बर में तृतीय पद विशेष्य सरस्वती प्रधान है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	
परिभाषा-	जिस समास के दोनों पद अप्रधान हो और समस्त पद के अर्थ के अतिरिक्त कोई सांकेतिक अर्थ प्रधान	छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।	परिभाषा - जिस समास के दोनों पद अप्रधान हों और समस्त पद के अर्थ

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	हो, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।		के अतिरिक्त कोई सांकेतिक अर्थ प्रधान हो, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।
उदाहरण-	1- चक्रपाणि — चक्र है पाणि (हाथ) में जिसके अर्थात् विष्णु।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	चक्रपाणि -
	2- सुलोचना — सुन्दर हैं लोचन जिस (नारी) के		सुलोचना -
	3- दिगम्बर — दिक् (दिशाएँ) ही अम्बर है जिसके अर्थात् जैन साधु।		दिगम्बर -
	4- पीताम्बर — पीत है अम्बर (वस्त्र) जिसके श्रीकृष्ण।		पीताम्बर -
	5- लम्बोदर — लम्बा है उदर जिसका गणेशजी		लम्बोदर -
	6- दुरात्मा — बुरी आत्मा वाला (कोई दुष्ट)		दुरात्मा -

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	7- मुरलीधर – मुरली धारण की जिसने – श्रीकृष्ण		मुरलीधर।
अभ्यास-कार्य-	रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए	छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
	1- दश हैं ...... जिसके अर्थात् ......।	आनन, रावण	1- दश हैं ...... जिसके ......।
	2- नीला है ...... जिसका ......।	कण्ठ, शिव।	2- नीला है ...... जिसका।
	3- चन्द्र हैं ...... जिसके अर्थात् ......।	सिर, शंकर।	3- चन्द्र हैं ...... जिसके ......।
	4- चक्र हैं ...... में जिसके ......।	पाणि, विष्णु।	4- चक्र हैं ...... में जिसके ......।
	5- सुंदर हैं ...... जिस नारी के।	लोचन।	5- सुंदर हैं ...... जिस नारी के ......।
	6- दिक् ही अम्बर हैं जिसके अर्थात ......।	जैन साधु।	6- दिक् ही अम्बर हैं जिसके ......।
	7- लम्बा है उदर जिसका अर्थात ......।	गणेश जी।	7- लम्बा है उदर जिसका ......।
	8- श्वेत हैं ...... जिसके अर्थात् ......।	वस्त्र, सरस्वती	8- श्वेत हैं ...... जिसके ......

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट-कार्य-
गृहकार्य-	परिभाषा व उदाहरण लिखकर घर से लायेंगे।	छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।	

13/1/2021

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

पाठ्योजना- 6

विषय- हिन्दी
कक्षा- 8अ-
विद्यालय- डा॰ अशोक कुमार स्मारक इण्टरकालेज

दिनांक-
कालांश-
समयावधि-

SMT. SHYAM DEVI Degree College of Science & Management

प्रकरण- यमक अलंकार-

सामांय उद्देश्य-

1- छात्रों को शुद्ध भाषा बोलने व लिखने की प्रेरणा प्रदान करना।

2- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।

3- छात्रों को शुद्ध वाक्य रचना का ज्ञान कराना।

4- छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।

5- छात्रों में भाषा विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।

Teacher's Signature : ....

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

6- छात्रों में शुद्ध व अशुद्ध रूप के बीच भिन्नता जानने की योग्यता का विकास करना।

विशिष्ट-उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1- ज्ञानात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना।	1- छात्र सैद्धान्तिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को यमक अलंकार का ज्ञान प्रदान करना।	2- छात्र यमक का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में यमक को परिभाषित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र यमक को परिभाषित कर सकेंगे।
	2- छात्रों को यमक के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	2- छात्र यमक के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों को चार्ट के माध्यम से यमक को प्रदर्शित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र यमक को जानने में सकारात्मक धारणा उत्पन्न कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में यमक के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र यमक में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में भाषा के प्रति जीवन उपयोगी सामान्य जानकारी	1- छात्र भाषा का अपने सामान्य जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

विशिष्ट उद्देश्य –	शिक्षण उद्देश्य –	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन –
	प्रदान करना।	

सहायक सामग्री –

पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट, प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ चार्ट।

पूर्व-ज्ञान –

छात्र "यमक" की सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न –	छात्राध्यापक क्रिया –	छात्र क्रियाएँ –
	प्र०-1 काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्व को क्या कहते हैं?	उ०- काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्व को 'अलंकार' कहते हैं।
	प्र०-2 अलंकार कितने प्रकार के होते हैं?	उ०- अलंकार 2 प्रकार के होते हैं।
	प्र०-3 दोनों अलंकारों के नाम बताइए?	उ०- शब्दालंकार और अर्थालंकार।
	प्र०-4 शब्दालंकार के प्रकार बताइए?	उ०- अनुप्रास अलंकार, यमक-श्लेष।
	प्र०-5 अलंकार किसे कहते हैं?	उ०- समस्यात्मक।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHIVA DEVI Degree college of Science & management

Expl. No. .... Date ....

उद्देश्य कथन -

आज हम 'यमक' की विशेषता व उसकी परिभाषा का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
यमक-अलंकार-	छात्राध्यापिका श्यामपट्ट पर उदाहरण लिखकर छात्रों से प्रश्न पूछेगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	1- "कनक-कनक ते सौगुनी मादकता अधिकाय। वा खाये बौराये जग या पाये बौराये।"
उदाहरण-1	1- प्रस्तुत उदाहरण में कौन-सा शब्द अधिक बार आया है?	1- कनक शब्द	2- ऊँचे घोर मन्दर के अंदर रहने वाली ऊँचे घोर ....
	2- कनक शब्द कितनी बार आया है?	2- दो बार आया है।	
	3- पहले और दूसरे कनक का क्या अर्थ है?	3- पहले का अर्थ 'सोना' दूसरे का 'धतूरा'।	
उदाहरण-2	1- इस उदाहरण में कौन-सा शब्द कई बार आया है?	1- घोर मन्दर	
	2- पहले और दूसरे घोर-मंदर का क्या अर्थ है?	2- पहले का अर्थ है ऊँचा महल।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
		दूसरे का ऊँचे पर्वत।	
	3- इस उदाहरण में क्या-विशेष है?	3- इसमें दो शब्द दो बार हैं पर अर्थ भिन्न है।	
स्पष्टीकरण-	छात्राध्यापक उदाहरण की-सहायता से यमक अलंकार को समझायेगा। उदाहरण संख्या 1 में कनक-शब्द दो बार आया है जिसमें पहले 'कनक' का अर्थ 'सोना' एवं दूसरे कनक का अर्थ 'धतूरा' है। उदाहरण संख्या 2 में-ऊँचे घोर मन्दर शब्द दो बार आया है। पहले का अर्थ ऊँचा महल, दूसरे का अर्थ ऊँचे पर्वतों की गुफाएँ है। यहाँ यमक अलंकार है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	
परिभाषा-	यमक का अर्थ होता है 'जोड़ा' या युग्म। इस प्रकार जब-एक शब्द या शब्द समूह का-एक से अधिक बार प्रयोग-हो, किन्तु उसका अर्थ प्रत्येक-बार भिन्न हो, वहाँ यमक-	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे अपनी स्वर-पुस्तिका-में लिखेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

शिक्षणबिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	अलंकार होता है।		
उदाहरण-3	छात्राध्यापक श्यामपट्ट पर लिखेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	"काली घटा का घमण्ड घटा, नभमण्डल तारक-वृन्द खिले।"
	1- इस उदाहरण में कौन-सा शब्द कई बार आया है?	1- इस उदाहरण में घटा दो बार आया है।	
	2- पहले घटा तथा दूसरे घटा का क्या अर्थ है?	2- पहले 'घटा' का अर्थ — काले बादल तथा दूसरे 'घटा' का अर्थ है — कम होना	
स्पष्टीकरण-	इस उदाहरण में 'घटा' शब्द दो बार आया है पहले घटा का अर्थ है — 'काले बादल' तथा दूसरे का अर्थ है कमी होना, अतः यहाँ यमक अलंकार है।		
अभ्यास-कार्य-	सत्य के आगे सत्य व असत्य के आगे असत्य लिखिए।		1- जहाँ एक वर्ण एक से अधिक बार आये वहाँ यमक अलंकार होता है। (X)
	1- जहाँ एक वर्ण एक से अधिक बार आये वहाँ-		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	यमक अलंकार होता है। (X)	असत्य-	
	2- उदाहरण में दोनों 'कनक' का अर्थ सोना है। (X)	असत्य-	2- उदाहरण में दोनों कनक का अर्थ सोना है। (X)
	3- काली घटा का घमण्ड घटा में 'घटा' का अर्थ है- 'कमी'। (X)	असत्य-	3- काली घटा का घमण्ड घटा में घटा का अर्थ है कमी। (X)
	4- यमक अलंकार में दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न होता है (✓)	सत्य	4- यमक अलंकार में दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न होता है। (✓)
गृहकार्य-	छात्र यमक अलंकार के उदाहरण लिखकर लायेंगे।		

Teacher's Signature : 13/11/2021

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

पाठ योजना - 7

विषय - हिन्दी -
दिनांक -
कक्षा - 7 क -
कालांश -
विद्यालय - डा॰ अशोक कुमार स्मारक इण्टर कालेज - समयावधि -

प्रकरण - बाल लीला (सूरदास)

सामांय उद्देश्य -

1-	छात्रों में मातृभाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना।
2-	छात्रों को पाठ में आये हुये कठिन शब्दों के उच्चारण में अभ्यास करना।
3-	छात्रों के पाठ के शब्द भण्डार, सूक्ति, मुहावरों व लोकोक्तियों में वृद्धि करना।
4-	छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।
5-	छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
6-	छात्रों में उचित आरोह - अवरोह, लय, गति एवं विराम आदि के प्रयोग के साथ वाचन में अभ्यस्त करना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

विशिष्ट-उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य –	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1- ज्ञानात्मक-उद्देश्य –	1- काव्य में निहित संधि, समास-अलंकार, उपसर्ग, रस आदि का ज्ञान कराना।	1- छात्र कविता में निहित संधि समास अलंकार, उपसर्ग-रस आदि का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
	2- कविता के केन्द्रीय भाव एवं विचार का ज्ञान प्रदान करना।	2- छात्र कविता में निहित केन्द्रीय भाव एवं विचार को ग्रहण कर सकेंगे।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को पढ़ाकर व सुनाकर कविता में निहित भावों का ज्ञान प्रदान करना।	1- छात्र कविता को पढ़कर व सुनकर कविता में निहित भावों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता में निहित नवीन शब्द व सूक्तियों के अर्थ से परिचित कराना।	2- छात्र कविता में प्रयुक्त विभिन्न शब्दों व सूक्तियों का अर्थ समझ सकेंगे।
3- कौशलात्मक उद्देश्य –	1- छात्रों को शुद्ध स्पष्ट, आरोह-अवरोह, गति विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुये वाचन करने योग्य बनाना	1- छात्र शुद्ध स्पष्ट, आरोह-अवरोह पूर्वक, यति-गति विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुये वाचन करने का कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता की अपनी शब्दों में व्याख्या करने योग्य बनाना।	2- छात्र कविता की अपने-शब्दों में व्याख्या कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

विशिष्ट-उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1 अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में कविता के भावार्थ को-हृदयंगम करने की रुचि का विकास करना।	1- छात्र कविता के भावार्थ-को हृदयंगम कर अपनी रुचि-का विकास कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता में निहित-प्रगतिशील ज्ञान से आत्मनिर्भरता विकसित करना।	2- छात्र कविता के अनुरूप-अपनी रुचियों व सद्वृत्तियों-की अभिवृत्ति कर सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में सद्वृत्तियों का विकास करना।	1- छात्र सद्वृत्तियों का उपयोग अपने जीवन में कर सकेंगे।

सहायक सामग्री- पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट-श्यामपट्ट आदि।

पूर्वज्ञान-

छात्र पूर्व कक्षाओं में तुलसीदास जी के विषय में पढ़ चुके हैं तथा उनके विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	प्र०- भक्तिकाव्य को किन दो भागों-	उ०- सगुण भक्ति काव्य व निर्गुण

Teacher's Signature : ....

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	में बाँटा गया है ?	उ०- भक्ति काव्य
	प्र०-2 कृष्ण भक्ति किन कवियों ने की है ?	उ०- सूरदास मीरा रसखान।
	प्र०-3 किसने अच्छी बाल लीला का वर्णन किया ?	उ०- सूरदास ने।
	प्र०4 सूरदास जी की बाल-लीलाओं के विषय में आप और क्या जानते हैं ?	उ०- समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन-

आज हम कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि सूरदास जी द्वारा रचित बाल-लीलाओं का रसास्वादन करेंगे।

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
आदर्श-वाचन-	छात्राध्यापक पूर्ण आरोह-अवरोह यति गति लययुक्त भावपूर्ण वाचन करेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक श्रवण करेंगे।	"मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायो। मोसों कहत मोल को लीन्हों, तू जसुमति जायो।
अनुकरण-वाचन-	छात्राध्यापक छात्रों को वाचन करने का आदेश देगा।	छात्र आरोह-अवरोह पूर्वक यति गति युक्त	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	तथा उनकी वाचन सम्बंधी त्रुटियों का अवलोकन करेगा।	भाव पूर्ण वाचन करेंगे।	"कहा करौं यहि- रिसि के मारे, खेलन- हौं नहि जात। पुनि-पुनि कहत- कौन है माता, को- है तेरो तात। गोरे नन्द, जसोदा- गोरी, तू कतस्या- मल गात। चुटकी दै-2 ग्वाल- नचावत, हँसत सबै- मुसकात। तू मोही कौ मारन- सीखी दाउहिं कबहुँ न खीझै। मोहन-मुख रिस की- ये बातें, जसुमति- सुनि-सुनि रीझै। सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई, जनमत ही- कौ धूत। सूर स्याम मोहि गो- धन की सौं, हौं- माता तू पूत।।"

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु -	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -	श्यामपट्ट कार्य -
काठिन्य उच्चारण -	छात्राध्यापक छात्रों द्वारा उच्चरित शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवायेगा तथा उन्हें श्यामपट्ट पर लिखेगा।	छात्र कठिन शब्दों का उच्चारण करेंगे।	कठिन शब्द उच्चारण - खिझायो - खीझौं रिसि - स्यामल खीझै - रीझै
काठिन्य निवारण -	छात्राध्यापक कठिन शब्दों के अर्थों को श्यामपट्ट पर लिखेगा। शब्द - अर्थ - खिझायो - चिढ़ाया - जायो - पैदा किया - रिसि - क्रोध - स्यामलगात - सांवला शरीर - खीझैं - डांटना - बलभद्र चबाई - चुगली करने वाला। धूत - चालाक -	छात्र कठिन शब्दों को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।	शब्द - अर्थ - खिझायो - चिढ़ाया जायो - पैदा किया रिसि - क्रोध - स्यामल गात - सांवला - शरीर - खीझैं - डांटना - बलभद्र चबाई - चुगली करनेवाला - धूत - चालाक
प्रवचन -	प्रस्तुत पद्यांश 'सूरदास जी' द्वारा रचित बाललीला से लिया गया है। इसमें श्री कृष्ण माता यशोदा से बल-	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	दाऊ की शिकायत करते हुए कहते हैं कि - दाऊ भैया मुझे बहुत चिढ़ाते हैं कहते हैं कि तुझे तो मोल लिया है तूने माता के द्वारा जन्म नहीं पाया है। मैं इसी कारण गुस्से से खेलने नहीं जाता हूँ। वह कहते हैं कि यशोदा माता और नंद बाबा दोनों गोरे हैं और तू सांवला है और सभी ग्वाल मुझे चुटकी दे-देकर नचाते हैं। माता उनके मुख से यह बातें सुनकर मोहित होती हैं और कहती हैं कि वह तो बचपन से ही चुगलखोर है तू मेरा ही पुत्र है मैंने ही तुझे जन्म दिया है।		
पुनः सस्वर-वाचन-	छात्राध्यापक पूर्ण आरोह-अवरोह यति, गति स्वर लयपूर्ण वाचन करेगी।	छात्र कविता का रसास्वादन करेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
भाव बोधात्मक प्रश्न-	प्र-1 श्री कृष्ण माता से क्या कह रहे हैं?	उ- कृष्ण माता यशोदा से कहते हैं कि - दाऊ मुझे चिढ़ाते हैं।	
	प्र-2 बलदाऊ क्या कहकर कृष्ण को चिढ़ाते हैं?	उ- दाऊ कहते हैं कि तुझे तो मोल खरीदा है, तुझे माता ने जन्म नहीं दिया है।	
	प्र-3 कृष्ण गुस्से के मारे क्या नहीं जाते?	उ- कृष्ण गुस्से के मारे खेलने नहीं जाते	
	प्र-4 श्रीकृष्ण का रंग कैसा है?	उ- श्री कृष्ण का रंग साँवला था।	
	प्र-5 माता बलदाऊ को क्या कहती हैं?	उ- माता बलदाऊ को चुगलखोर कहती हैं।	
	प्र-6 यशोदा माता किसकी सौगंध खाती हैं?	उ- यशोदा गोधन की सौगंध खाती हैं।	
सौन्दर्यानुभूति प्रश्न-	प्र-1 प्रस्तुत कविता किस भाषा में है?	उ-1 ब्रजभाषा में है।	
	प्र-2 कविता में क्या भाव-	उ-2 प्रस्तुत पद्यांश में-	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Expt. No. ....

Date ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	भाव छुपा है?	उ०-2 भ्रातृभाव छुपा है।	
	प्र०3 पद्यांश में कौन-2 सी-लीलाओं का वर्णन हैं?	उ०- बाल लीलाओं का वर्णन है कैसे बालक एक-दूसरे को परेशान करते हैं।	
आत्मसातीकरण -	प्र०-1 दोनों पद्यांशो में क्या-समानता हैं?	उ०-1 दोनों में बाल-लीलाओं का वर्णन हैं।	"कहत कान्ह जननी-समुझाई। जहँ-तहँ गेर रहत, खिलौना-राधा जनि लै जाई-चुराई।
	प्र०-2 दोनों पद्यांशों में क्या-भाव छुपा है?	उ०-2 दोनों में श्रीकृष्ण की लीलाओं का-वर्णन है।	सांझ सबेर आवन-लागी चित्त रहति मुरली वन आई॥"
	प्र०-3 दोनों में श्रीकृष्ण के-किस रूप का वर्णन किया-है?	उ०-3 श्री कृष्ण के-बालरूप का वर्णन किया है।	
अंतिम आदर्शवाचन-	छात्राध्यापक पूर्ण आरोह-अवरोह लय गति यति स्वर-में आदर्श वाचन करेगा।	छात्र कविता का-रसास्वादन करेगा।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
गृहकार्य-	कविता की व्याख्या लिख कर लायेगें।	छात्र गृहकार्य अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेगे।	

13/11/2021

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management